SOCIOLOGY OF EDUCATION

K.K. Chauhan

(Assistant Professor)

Department of Education,

C.S.J.M. University, Kanpur

Email: aprof.kkc@gmail.com

शिक्षा का समाजशास्त्र क्या है

What is Sociology of Education

- Sociology of Education ज्ञान की वह शाखा है जो विद्यालय तथा समुदाय में educational process के माध्यम से सामाजिक शक्तियों को समझने तथा नियंत्रित करने का प्रयास करती है।
- यह personal तथा social behaviour को Family, School, Church, Sports Group आदि के माध्यम से नियंत्रित करने का प्रयास करती है।
- इसके अन्तर्गत उन सभी Educational Processes का विश्लेषण एवं उपयोग किया जाता है। जो व्यक्ति के personality का विकास करके उसे सामाजिक जीवन के लिए तैयार करती है।
- इस प्रकार Sociology of Education शिक्षा की technology नहीं है बल्कि ज्ञान की वह शाखा है जो शिक्षा sociological theory का प्रतिपादन करती है।

- यह नई पीढ़ी को सामाजिक व्यवस्था को स्वीकार करने और इसे जारी रखने के लिए मार्गदर्शन करती है।
- चूंकि समाजशास्त्र मुख्य रूप से मानव समाज पर केंद्रित है, शिक्षा इसकी प्रमुख चिंताओं में से एक रही है।
- ऐसा कहा जाता है कि एमिल दुर्खीम अग्रणी थे जिन्होंने Sociology of Education का व्यवस्थित अध्ययन शुरू किया था।
- एमिल दुर्खीम प्रमुख योगदान समाजशास्त्र के क्षेत्र को एक academic discipline के रूप में परिभाषित और स्थापित करने में मदद करना था।
- Sociology of Education शिक्षा को प्रयास, आकांक्षाओं और प्रगति के **माध्यम (medium)** से बेहतरी के प्रयास के रूप में देखता है।
- शिक्षा समाजशास्त्रीय विश्लेषण का एक आवश्यक और मौलिक उप-क्षेत्र है।

- Sociology of Education शिक्षा व समाज के बीच वह important medium है जो एक ओर विभिन्न सामाजिक प्रवृत्तियों, सामाजिक संगठनात्मक व्यवस्थाओं और सामाजिक समस्याओं का अध्ययन करके शिक्षा की पद्धति, पाठ्यक्रम और अन्य कार्यक्रमों के निर्धारण में सहायता करता है.
- समाज की शिक्षा सम्बन्धी व्यवस्थाओं को विकसित करके उपयोगी बनाकर सामाजिक विकास के पथ को प्रशस्त करता है।
- शिक्षा के समाजशास्त्र का प्रमुख उद्देश्य शैक्षिक घटनाओं, संस्थाओं के सामाजिक पक्ष की खोज करना है।
- यहाँ पर जिन समस्याओं का परीक्षण किया जाता है वे प्रमुख रूप में समाजशास्त्र से सम्बन्धित होती है न कि शिक्षा से।

Definition

- मिचैल की पुस्तक 'A Dictionary of Sociology'(1968) में कहा है-

  शिक्षा का समाजशास्त्र, समाजशास्त्र की एक शाखा है जो समाज के संस्थानों और संगठन का विश्लेषण करती है। Sociology of Education is a branch of sociology which analyses the institutions and organization of society.

- "शिक्षा का समाजशास्त्र शिक्षा व्यवस्था में निहित सामाजिक प्रक्रियाओं तथा सामाजिक प्रतिमानों के विश्लेषण का वैज्ञानिक अध्ययन है।"

  "Sociology of education is the scientific study of the analysis of the social processes and social pattern with in the educational system.“ - Brookover

- "शिक्षा का समाजशास्त्र शिक्षा व्यवस्था का वैज्ञानिक विश्लेषण है।“

"Sociology of education is the scientific analysis of the educational system." –Brookover

- **हेन्सन (Henson)** के अनुसार "शिक्षा का समाजशास्त्र, शिक्षा तथा समाज के बीच सम्बन्ध का वर्णन करता है।“

"Sociology of education is concerned with the relationship between education and society." Hampson

- **Prof. Taylor** ने दोनों के अन्तर को स्पष्ट करते हुए लिखा है-

"शैक्षिक समाजशास्त्र में शैक्षिक एवं सामाजिक प्रश्नों को महत्व दिया जाता है जबकि शिक्षा के समाजशास्त्र में समाजशास्त्रीय समस्याओं को महत्व दिया जाता है।"

- **Jensen** ने अन्तर को स्पष्ट करते हुए तर्क किया है कि,

"शैक्षिक समाजशास्त्र की समस्याएं, शिक्षा के क्षेत्र से उत्पन्न होती है जबकि शिक्षा के समाजशास्त्र की समस्याएं समाजशास्त्र के क्षेत्र से उत्पन्न होती है।"

शिक्षा के समाजशास्त्र की प्रकृति

Nature of Sociology of Education

- यह एक सामाजिक विज्ञान है; यह Sociology की ही एक branch है।
- यह वस्तुनिष्ठ तथा सैद्धान्तिक (Theoretical) विषय है।
- यह फ्रेंच दार्शनिक अगस्त कोम्टे द्वारा प्रतिपादित Positivism के दर्शन से प्रभावित है, क्योंकि यह कारण-परिणाम के सम्बन्ध, परोक्षता तथा वस्तुनिष्ठता पर आधारित है।
- यह Society and Education के परस्पर सम्बन्ध का scientific study करता है।
- इसका कार्य विश्लेषण करना मात्र है, व्यावहारिक सुझाव देना नहीं।

शिक्षा समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र

Scop of education sociology

Sociology of Education का क्षेत्र बहुत विस्तृत है तथा आगे और विस्तृत होता जाएगा।

शिक्षा पर समाज की संरचना, सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्थाओं और परिस्थितियों तथा परिवर्तनों का जो प्रभाव पड़ता है वह शिक्षा समाजशास्त्र विषय के क्षेत्र का निर्धारण वर्तमान काल में करते हैं और आगे भविष्यकाल में करते रहेंगे।

शिक्षा समाजशास्त्र के प्रमुख योगदान कर्ता

Major contributors to education sociology

1. फ्रेंच समाजशास्त्री Prof. Emile Durkheim: दो विश्वविद्यालयों में Sociology और Education दोनों विषयों के संयुक्त पदों के प्रोफेसर रहे थे।
2. उन्होंने कई भाषण education sociology पर दिए थे, जिन्हें 1917 में उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी द्वारा collect कर 'Sociology and Education' पुस्तक में प्रकाशित किया गया था।

Major contributions was to help define and establish the field of sociology as an academic discipline. Emile Durkheim

उनके प्रमुख विचार थे:-

- शिक्षणशास्त्र (Pedagogy) अन्य किसी भी विज्ञान की तुलना में समाजशास्त्र पर बहुत घनिष्ठतापूर्वक निर्भर है।
- "जितनी अच्छी तरह से हम समाज को समझ लेते हैं, उतनी ही अच्छी तरह से हम जो कुछ भी शाला रूपी लघु समाज में होता है उसे समझा सकेंगे।“
  "The better we understand society the better shall we be able to account for all that happens in that social microcosm that the school is."- Durkheim

- "समाजशास्त्र एक तर्कपूर्ण शिक्षाशास्त्र की आधारशिला है।" "Sociology is a foundation stone of a rational education." –Durkheim
- "शिक्षा युवा पीढ़ी का समाजीकरण है।“ "More briefly, education is socialization of the young generation." -Durkheim
- "शिक्षक को अपने विचारों के मतों से विद्यार्थियों को प्रभावित नहीं करना चाहिए।“ "... The teacher is amiss in his duties when he uses the authority at his disposal to influence his pupils in accordance with his perceived opinions however justified they may apear to him." –Durkheim

Educational Sociology	Sociology of Education
यह मूलतः शिक्षाशास्त्र का अंग था।	यह मूलतः समाजशास्त्र की एक शाखा है।
यह मिश्रित या प्रयुक्त समाजशास्त्र (Applied Sociology) था। अर्थात् यह एक प्रकार से शैक्षिक तकनीकी (Technology of Education) था।	यह शुद्ध समाजशास्त्र की एक शाखा है। यह शैक्षिक तकनीकी नहीं है। "Sociology of education is not technology of Education."-Brookover
यह बहुत कुछ जोशीली भाषा का विषय था जो ठोस वस्तुनिष्ठता और विश्लेषण पर आधारित नहीं था।"...It has tended to be hortary rather than empirical, in spectative rather than objective, and synoptic rather than analytic." -William Taylor	यह सामाजिक विज्ञान की भाषा प्रयुक्त करने वाला विषय है जो ठोस वस्तुनिष्ठता (Empiricism), परोक्षता (Objectivity) और विश्लेषण (analysis) पर आधारित है ।
इस क्षेत्र का अधिकाँश शोध सतही तथा शिक्षण अव्यवस्थित होता था।	इस क्षेत्र में शोध और शिक्षण व्यवस्थितव वैज्ञानिक है।

Educational Sociology	Sociology of Education
अधिकतर शैक्षिक समाजशास्त्री उन सामग्रियों से भी सम्बन्धित रहते थे जोवस्तुतः समाजशास्त्रीय नहीं होती थी। "Educational sociologists have for most part been concerned with other than sociological material.	शिक्षा समाजशास्त्री समाजशास्त्रीय तथ्यों व सामग्रियों से ही सरोकार रखते हैं।
शैक्षिक समाजशास्त्री अधिक व्यावहारिकथा।.	शिक्षा समाजशास्त्री शिक्षा को विस्तृत दृष्टिकोण से देखते हैं तथा अधिकतर सैद्धान्तिक होते हैं।
शैक्षिक समाजशास्त्री अपना विश्लेषण पाठशाला से शुरू करता है और बाहर समाज की ओर जाता है और वहाँ से अपने तथ्य संग्रह करके लाता है, तब उनका विश्लेषण करता है।	शिक्षा समाजशास्त्री अपना विश्लेषण समाज के विस्तृत संदर्भ से आरंभ करता है और पाठशाला की ओर जाता है।
शैक्षिक समाजशास्त्र सुझावों और प्रतिमानात्मक सिद्धान्त के स्थापन की दिशा में एक प्रयास था।	शिक्षा समाजशास्त्र एक सामान्य वस्तुनिष्ठता के सिद्धान्त निर्माण का शिक्षा में एक प्रयास है।

Educational Sociology	Sociology of Education
इसमें समाजशास्त्र शिक्षा के भीतर देखता है।	इसमें समाजशास्त्र शिक्षा के ऊपर व बाहर देखता है।
शैक्षिक समाजशास्त्री शिक्षा प्रशासकों को शैक्षिक समस्याओं के हल प्रदान करने और प्रसन्न करने को उत्सुक रहते थे।	शिक्षा समाजशास्त्री शिक्षा प्रशासकों को शिक्षा की व्यावहारिक समस्याओं के व्यावहारिक हल प्रस्तुत नहीं करते बल्कि उन समस्याओं का सामान्य विस्तृत समाजशास्त्रीय हल ही प्रस्तुत कर सकते हैं। उनकी रुचि समस्याओं के निदान में नहीं होगी। वे वैज्ञानिक की भाँति कार्य करते हैं, न कि तकनीशियन की भाँति ।
यह शिक्षा समाजशास्त्र के पूर्व (1945 तक) का विषय या विकास चरण था जो अब समाप्त हो चुका है।	यह वर्तमान में शिक्षा का समाजशास्त्र है।

Educational Sociology	Sociology of Education
शैक्षिक समाजशास्त्र अधिक व्यावहारिक निहितार्थ शामिल हैं।	**शिक्षा का समाजशास्त्र** ज्यादातर एक सैद्धांतिक क्षेत्र है।
शैक्षिक समाजशास्त्र इस बात पर जोर देता है कि कैसे शोध कार्य के माध्यम से शिक्षा में सुधार किया जा सकता है और भविष्य के लाभ के लिए नई योजनाओं और गतिविधियों को खोजने का प्रयास किया जा सकता है।	**शिक्षा का समाजशास्त्र:** किसी व्यक्ति पर शिक्षा की उपलब्धियों या अंतिम परिणामों पर अधिक जोर दिया जाता है।
शैक्षिक समाजशास्त्र शिक्षा पर समाजशास्त्रीय निष्कर्षों का अनुप्रयोग है।	**शिक्षा का समाजशास्त्र** सार्वजनिक संस्थान और लोगों के अनुभव शिक्षा के क्षेत्र और उसके परिणामों को कैसे प्रभावित करते हैं, इसका अध्ययन है।
शैक्षिक समाजशास्त्र, शिक्षा के क्षेत्र में समस्याओं को हल करने के लिए समाजशास्त्रीय निष्कर्षों के अनुप्रयोग के रूप में वर्णित किया जा सकता है।	**शिक्षा के समाजशास्त्र** में, व्यक्ति शिक्षा के क्षेत्र पर सरकार और व्यक्तिगत व्यवहार के प्रभावों के बारे में सीखता है।

Educational Sociology	Sociology of Education
शैक्षिक समाजशास्त्र के अन्तर्गत शैक्षिक पक्ष की प्रधानता होती है और सामाजिक पक्ष गौण रहता है	**शिक्षा के समाजशास्त्र** के अन्तर्गत व्यापक सामाजिक सन्दर्भ में शिक्षा की प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता है।
शैक्षिक समाजशास्त्र वह विज्ञान है। जो संस्थाओं, सामाजिक समूहों तथा सामाजिक प्रक्रियाओं की व्याख्या एवं वर्णन करता है तथा शैक्षिक समस्याओं के लिए समाजशास्त्र का प्रयोग करता है।	**शिक्षा के समाजशास्त्र** के अन्तर्गत विद्यालय में सामाजिक घटना (Phenomennon) का अध्ययन किया जाता है जिससे संस्था का सामाजिक पर्यावरण तथा सामाजिक जीवन सुधारा जा सके।

References

- Aggarwal, J. C. (2014). Philosophical and Sociological Perspectives on Education. Delhi: Shipra publication.
- Arulsamy, S. (2011). Philosophical and Sociological Perspectives on Education. Hyderabad: Neelkamal Publication Pvt. Ltd.
- Dewey, J. (1956). The school and Society. Chicago: University of Chicago Press.
- Dewey, J. (1963). Democracy and education. New York: Macmillan.
- Freire, P (1970). Cultural action for freedom. Penguin education Special, Ringwood, Victoria, Australia
- Ballantine, J. H., & Hammack, F. M. (2009). *The sociology of education: A systematic analysis* (6th ed.). Upper Saddle River, NJ: Prentice Hall.
- Freire, Paulo (1993). Pedagogy of the oppressed (revised ed.). London, UK: Penguin books.
- Ghosh, S.C. (2007) History of education in India , Rawat publications .
- Govt. of India (2009) The right of Children to free and compulsory education act 2009
- Nambisan, G.B.(2009) Exclusion and discrimination in school experiences of Dalit children , Indian institute of Dalit Studies and UNICEF.
- Pathak A. (2013) social implication of schooling; knowledge, Pedagogy and consciousness. Aakar books

- ✓ • अग्रवाल एस० के०, शिक्षा के दार्शनिक एवम समाजशात्रीय आधार आगरा भार्गव बुक हाउस ।
- ✓ • पाण्डेय, रामशकल शिक्षा की दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमिः आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर ।
- ✓ • पाल, एस० के० गुप्त, लक्ष्मी नारायण, मदन मोहन, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार, इलाहाबाद, कैलाश प्रकाशन
- ✓ • माथुर, एस० एस० शिक्षा के दार्शनिक तथा सामाजिक आधार, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर ।
- ✓ • लाल, रमन बिहारी: शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार रस्तोगी पब्लिकेशन, मेरठ
- ✓ • सक्सेना एन० आर० एस० शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार आगरा भार्गव बुकहाउस ।

Thank you…